अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com



चित्तौड़गढ़. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में दो विधिक सेवा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार में प्राधिकरण सचिव भानू कुमार की अध्यक्षता में व मधुसुदन शर्मा के आतिथ्य में शिविर आयोजित हुए। शिविर में मुख्य अतिथि ने कहा कि मानवाधिकारों का संरक्षण दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति है। संपूर्ण मानव जाति आतंकवाद, अत्याचार, शोषण और उत्पीड़न से पीड़ित है। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए घोषणा पत्र जारी हुए। पारिवारिक व सामाजिक तनाव के कारण आमजन शिकार हो रहे हैं। प्राधिकरण सचिव ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की जानकारी दी और कहा कि इस अधिनियम से मानवाधिकार जगत में आशा की नई किरण का संचार हुआ है। अधिनियम की धारा 2 में मानव अधिकार की परिभाषा दी गई है। इसका मूल लक्ष्य मानव जीवन और उसकी गरिमा को सुरक्षा प्रदान करता है। इन अधिकारों के तहत शिक्षा, चिकित्सा, निःशुल्क विधिक सहायता, त्वरित विचारण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय भी शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार का गठन किया हुआ है।

इसका कार्य किसी लोक सेवक द्वारा मानवाधिकारों का उल्लंघन करने पर उसके विरूद्ध जांच करना, जेल मे बंद व्यक्तियों की जीवन दशा का पता लगाने के लिए जेलों का निरीक्षण करना, मानवाधिकार के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन देना एवं मानवाधिकार के क्षेत्र में स्वैच्छिक एवं गैर सरकारी संस्थानों को आगे लाने की दिशा में कार्य करना है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के चेयरमैन गोविन्द गदिया, केएस राणा, वीसी आनंदवर्धन शुक्ला, निदेशक हरीश गुरनानी आदि मौजूद थे। हिन्दुस्तान जिंक में आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि भानु कुमार थे। इस मौके पर घनश्याम सिंह राणावत, जीएनएस चौहान, अनूप केआर आदि मौजूद रहे।

Rajasthan Patrika 11-12-2021

मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के संयुक्त तत्वाधान में मानव अधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव भानु कुमार, न्यायाधीश मधुसूदन शर्मा रहे। अतिथियों का स्वागत मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया, कुलपति प्रो. के.एस. राणा व उपकुलपति आनन्द वर्धन शुक्ला के द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन में उपकुलपति ने मानव अधिकार दिवस की अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में महश्रा के बारे में बताया। Pratahkal 11-12-2021

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया मानव अधिकार दिवस

मानवाधिकारों का संरक्षण विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती: शर्मा





चित्तौड़गढ़, 10 दिसम्बर (कासं.)। प्रत्येक मनुष्य के अपने कर्तव्य निर्धारित किये गये है और उसके कर्तव्य ही बाकी लोगों के अधिकार हो गये है। यदि हर इंसान अपने कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी से निर्वहन करे तो अन्य लोगों के अधिकार स्वयं ही पूरे हो जायेंगे।

यह विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में मानव अधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश मधुसूदन शर्मा ने व्यक्त किये। उन्होंने मानव अधिकारों की उत्पत्ति से उत्थान तक की यात्रा का संक्षिप्त परिचय दिया और मानव अधिकारों के विषय पर विभिन्न न्यायिक निर्णयों की सहायता से उपयोगी जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज मानवाधिकारों का संरक्षण विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है, सम्पूर्ण मानव जाति, आतंकवाद, अत्याचार, शोषण एवं उत्पीड़न से पीड़ित है। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिये मेग्नाकार्टा, बिल ऑफ राईट्स एवं मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी हुए। पारिवारिक एवं सामाजिक तनाव के कारण आमजन मानवाधिकार हनन के शिकार हो रहे है।

कार्यक्रम के अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव तथा एडीजे भानु कुमार ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की जानकारी देते हुए बताया कि इस अधिनियम से मानवाधिकार जगत में आशा की एक नई किरण का संचार हुआ है। अधिनियम की धारा 2 में मानव अधिकार की परिभाषा दी गई है। इसका मूल लक्ष्य मानव जीवन और उसकी गरीमा को सुरक्षा प्रदान करता है। इन अधिकारों के तहत शिक्षा, चिकित्सा, निःशुल्क विधिक सहायता, त्वरित विचारण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय भी सम्मलित किये गये है। इसका कार्य किसी लोक सेवक द्वारा मानवाधिकारों का उल्लंघन किये जाने जाने पर उसके विरुद्ध जांच करना, जेल मे बंद व्यक्तियों की जीवन दशा का पता लगाने के लिए जेलों का निरीक्षण करना, मानवाधिकार के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन देना, मानवाधिकार के क्षेत्र में स्वैच्छिक एवं गैर सरकारी संस्थानों को आगे लाने की दिशा में कार्य करना है।

समारोह में अतिथियों का स्वागत मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएस राणा व उपकुलपति आनन्द वर्धन शुक्ला द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन में उपकुलपति आनन्द वर्धन शुक्ला ने मानव अधिकार दिवस की अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में महत्ता के बारे में बताया और मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा सन् 1948 से सम्बन्धित प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एस. राणा ने मानव अधिकारों की वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि न्यायालयों में न्यायिक प्रक्रियाऐं बहुत लम्बी चलती है, इसके पीछे हमारे न्यायिक व्यवस्था की काफी खामियां है और इसमें सुधार की आवश्यकता है।

मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने अपने आभार उद्बोधन में शिक्षा के अधिकार के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे समाज में अभी भी शिक्षा की बहुत कमी होने से लोग अपने अधिकारों के बारे जागृत नहीं है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डायेक्टर हरीश गुरनानी, डीन एकेडमिक डी.के. शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ती शास्त्री, विधि विभाग के सहायक आचार्य पुष्पेन्द्र सोलंकी, शिरीष कुमार शुक्ला, लविना चपलोत, गीतांजली, सुप्रिया चौधरी के साथ विश्वविद्यालय के कई विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग के छात्र अटल बिहारी चौधरी एवं अक्षिता चौहान ने किया।

चंदेरिया लेड जिंक संयंत्र में मनाया मानवाधिकार दिवस

अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के यूनियन ऑफिस के सभागार में यूनियन और प्रबंधन ने संयुक्त रुप से अतिरिक्त जिला न्यायधीश, सचिव जिला विधिक प्राधिकरण भानु कुमार के मुख्य आतिथ्य, भारतीय मानवाधिकार एसोसियेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एके द्विवेदी के विशिष्ट आतिथ्य और चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर मजदूर संघ के महामंत्री घनश्याम सिंह रणावत की अध्यक्षता में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष जीएनएस चौहान ने दिया। न्यायाधीश भानुकुमार ने बहुत ही सरल शब्दों में अधिकारों एवं कर्तव्यों को समावेशी तरीके से समझाया। उन्होंने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल में चल रहे मानवाधिकारों का हनन एवं कर्तव्यों के निर्वहन पर प्रकाश डाला। आयोजन में लोकेशन एचआर हेड अनागत आशीष, सीएसओ अनूप कुमार, सीएसआर हेड विशाल अग्रवाल, फेडरेशन उपाध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी ने संबोधित किया।

इस अवसर पर पायरों एचआर हेड एसएस सोनी, एचआर अधिकारी इंद्रजीत सिंह, गगन बोकाडिया जिला अध्यक्ष भारतीय मानवाधिकार एसोसियेशन उदयपुर, चित्तौड़ जिला महासचिव बंशीधर प्रसाद, बड़ी संख्या में जिंक कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मचारी उपस्थित थे। संचालन सुरक्षा अधिकारी अंजली मीणा ने किया।

Jannayak 11-12-2021